GOA UNIVERSITY

P.O. Goa University, Taleigao Plateau, Goa 403 206, India

Syllabus of B.A. (HINDI) Programme
For the academic year 2012-13

A brief description of the course

- **Purpose**

  The Hindi Syllabus of undergraduate level is framed in such a way that the students will get an in depth knowledge of Hindi literature and language . Functional Hindi, Mass Media is also introduced keeping in mind the job-related importance of the same.

- **Prerequisities**

  Before 1985 all colleges was affiliated with Mumbai University

- **Credits (theory, tutorials, practicals)** N.A.

  Number of semester, how the courses are distributed

  F.Y. semester 1 & 2

  SY semester 3 & 4

  TY semester 5 & 6

- **Dissertation** – Not applicable
- **Field work, etc.** – is must for project in TY BA

GOA UNIVERSITY

DEPARTMENT OF HINDI

Elective & Optional Courses in Hindi

SEMESTER – I F.Y.B.A.

Course code	Course title	Credits
HNE -01	काव्य, कथा, व्याकरण एवं रचना Kavya, Katha , Vyakran Evam Rachana	
Semester - II		
HNE -02	काव्य, कथा, व्याकरण एवं अनुवाद Kavya, Katha , Vyakran Evam Anuvad	
OPTIONAL COURSES **Semester I**		
HNO- 1	काव्य, कथा, व्याकरण एवं रचना Kavya, Katha , Vyakran Evam Rachana	
Semester II		
HNO- 2	काव्य, कथा, व्याकरण एवं रचना Kavya, Katha , Vyakran Evam Rachana	
Semester III (SY BA Elective)		
HNE- 3	काव्य, कथा-साहित्य , अनुवाद एवं व्याकरण Kavya, Katha-Sahitya, Anuvad Evam Vyakran	
Semester IV		
HNE- 4	काव्य, निबंध एवं अनुवाद Kavya, Nibandh Evam Anuvad	
Semester III S.Y.B.A. Hindi Allied to Major		
HNA- 1	जनसंचार माध्यम - प्रिंट मीडिया Mediums of Mass Communication – Print Media.	
Semester IV		
HNA- 2	जनसंचार माध्यम - इलेक्ट्रॉनिक मीडिया Mediums of Mass Communication Electronic Media.	
Semester V T.Y.B.A.		
HNE- 5	हिंदी साहित्य : आदिकाल एवं भक्तिकाल Hindi Sahitya : Aadikaal Evam Bhaktikaal	

HNE- 6	आधुनिक हिंदी काव्य Adhunik Hindi Kavya	
HNE- 7	अनुवाद एवं पत्रलेखन Anuvad Evam Patralekhan	
HNE- 8	साहित्यशास्त्र भाग -1 Sahityashastra Bhag-1	
HNE- 9	हिंदी भाषा का इतिहास एवं भाषाशास्त्र Hindi Bhasha Ka Itihas EvamBhashas	
HNE- 10	समकालीन विमर्श एवं अनुदित साहित्य Samkaleen Vimarsh Evam Anudit Sahitya	
Semester VI		
HNE- 11	हिंदी साहित्य : रीतिकाल Hindi Sahitya : Ritikal	
HNE- 12	आधुनिक हिंदी गद्य Adhunik Hindi Gadya	
HNE- 13	निबंध एवं जनसंचार माध्यम लेखन Nibandh Evam Janasanchar Madhyam Lekhan	
HNE- 14	साहित्यशास्त्र भाग 2 Sahityashastra Bhag-2	
HNE- 15	हिंदी व्याकरण Hindi Vyakran	
HNE- 16	रचनाकार का विशेष अध्ययन – मन्नू भंडारी Rachanakar Ka Vishesh Adhyayan – Mannu Bhandari	

F.Y.B.A. (Elective) Syllabus

Semester I

HNE -01- काव्य, कथा, व्याकरण एवं रचना Lect. Marks

Kavya, Katha , Vyakran Evam Rachana ISA SEA

1. i) कथा कुंज - कहानी क्र.1 से 6 तक 75 20 80

ii) काव्य-कलश - कबीर , सूरदास, निराला , पंत

2. शब्दालंकार – अनुप्रास, श्लेष और यमक

3. व्याकरण एवं रचना - शुध्दलेखन (लिंग, कारक, काल, वचन, स्थान से संबंधित) एवं निबंध

4. द्रुत पाठ (i) कथा कुंज - कहानी क्र.1 से 2

(ii) काव्य-कलश - रहीम , महादेवी वर्मा , धूमिल

Semester II

HNE -02- काव्य, कथा, व्याकरण एवं अनुवाद

Kavya, Katha , Vyakran Evam Anuvad Lect. Marks

1. (i) कथा कुंज - कहानी क्र.7 से 12 तक ISA SEA

(ii) काव्य-कलश - मीराबाई, दिनकर, अज्ञेय 75 20 80

2. अर्थालंकार – उपमा, उत्प्रेक्षा और रूपक

3. व्याकरण एवं अनुवाद

i) शुध्दलेखन - लिंग, कारक, काल, वचन, स्थान से संबंधित

ii) अनुच्छेद का अनुवाद –अंग्रेजी से हिंदी

iii) अंग्रेज़ी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेज़ी शब्दों का अनुवाद

4. द्रुत पाठ (i) कथा कुंज - कहानी क्र.3 से 4

(ii) काव्य-कलश - दुष्यंत कुमार, वीरेन्द्र मिश्र

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें : 1.कथा कुंज – संपादक मंडल , गोवा विश्वविद्यालय 2. काव्य-कलश- संपादक मंडल, गोवा विश्वविद्यालय

F.Y.B.A. Hindi (Optional) Syllabus

Semester - I

HNO- 1- काव्य, कथा, व्याकरण एवं रचना Kavya, Katha , Vyakran Evam Rachana	Lect.	Marks ISA	SEA
1. (i) पद्य भाग - क्र.1 से 12 तक (ii) गद्य भाग - क्र. 1 से 7 तक	75	20	80

2. व्याकरण - विलोम शब्द
   वाक्यांश के लिए एक शब्द
   रचना- भाव-विस्तार

3. द्रुत पाठ (i) कविता क्र.1 से - क्र.3 तक
   (ii) पाठ- रहमान का बेटा ।

Semester - 2

HNO- 2- काव्य, कथा, व्याकरण एवं रचना Kavya, Katha , Vyakran Evam Rachana	Lect.	Marks ISA	SEA
1. (i) पद्य भाग - क्र.13 से 22 तक (ii) गद्य भाग - क्र. 8 से 13 तक Rapid Reading (i) Poetry – 4 to 6 (ii)Prose- Maharaj Ka ILaj	75	20	80

2. व्याकरण - मुहावरे – अर्थ एवं वाक्यों में प्रयोग
   i) अनेकार्थी शब्द
   ii) रचना- वैचारिक टिप्पणी

3. द्रुत पाठ (i) कविता क्र.4 से - क्र.6 तक
   (ii) पाठ- महाराज का इलाज ।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : साहित्य सेतु - संपादक मंडल, गोवा विश्वविद्यालय

SY.B.A. Hindi (Elective) Syllabus

Semester III -

HNE- 3- काव्य, कथा-साहित्य , अनुवाद एवं व्याकरण Kavya, Katha-Sahitya, Anuvad Evam Vyakran	Lect.	Marks	
		ISA	SEA
	75	20	80

1. प्राचीन काव्य - क्र.1 से 3 तक

i) आधुनिक काव्य – क्र.7 से 10 तक

ii) द्रुत पाठ - 1, 3, 4

2. गबन (उपन्यास) प्रेमचंद (विद्यार्थी संस्करण)

द्रुत पाठ – सार्थक कहानियाँ – सं. दूधनाथ सिंह

(कोई भी 4 कहानियाँ)

3. अनुवाद – शब्दानुवाद

i) अंग्रेजी से हिन्दी (25 शब्द)

ii) हिन्दी से अंग्रेजी (25 शब्द)

4. संक्षेपण , संवाद-लेखन

1.द्रुत पाठ पर आधारित आधे घंटे की लिखित परीक्षा ।

2. फिल्म समीक्षा।

Semester IV

HNE- 4- काव्य, निबंध एवं अनुवाद Kavya, Nibandh Evam Anuvad	Lect.	Marks	
		ISA	SEA
	75	20	80

प्राचीन काव्य - क्र.4 से 6 तक

आधुनिक काव्य – क्र.11 से 15 तक

द्रुत पाठ - 2,5,6

2. निबंध संचयन – सभी 12 निबंध रहेंगे।

द्रुत पाठ – 3 निबंध

3. अनुवाद – शब्दानुवाद

i) अंग्रेजी से हिन्दी (25 शब्द)

ii) हिन्दी से अंग्रेजी (25 शब्द)

4. निबंध – चार विषयों में से एक

1.द्रुत पाठ पर आधारित आधे घंटे की लिखित परीक्षा।

2. साक्षात्कार।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : 1. काव्यालोक – संपादक मंडल- गोवा विश्वविद्यालय

2. निबंध संचयन –

– संपादक मंडल- गोवा विश्वविद्यालय

Semester III

HNA- 1- जनसंचार माध्यम - प्रिंट मीडिया Mediums of Mass Communication – Print Media.	Lect.	Marks ISA	SEA
जनसंचार माध्यम – स्वरूप एवं क्षेत्र	75	20	80

i) संचार – परिभाषा , तत्व एवं प्रकार ।

ii) जनसंचार – परिभाषा , प्रकार एवं महत्त्व ।

I) प्रिंट मीडिया

2.1 पत्रकारिता - स्वरूप , वर्गीकरण एवं महत्त्व ।

2.2 समाचार-पत्र – स्वरूप एवं प्रकाशन -प्रक्रिया ।

2.3 समाचार के विभिन्न स्रोत ।

2.4 पत्रिकाएँ - प्रकार एवं महत्व ।

2.5 विज्ञापन - स्वरूप , प्रस्तुतिकरण एवं महत्व ।

2.6 फीचर –लेखन ।

II) प्रिंट मीडिया और समाज

3.1 सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव ।

संदर्भ ग्रंथ-

आधुनिक पत्रकारिता – डॉ.अर्जुन तिवारी

पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि - डॉ.सुजाता वर्मा

प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र

प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रासंगिकता एवं परिदृश्य- डॉ.सु.नागलक्ष्मी

मीडिया लेखन- सिध्दांत एवं व्यावहार – डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र

लोकसंचार माध्यम –प्रस्तुति के रचनात्मक आयाम – डॉ.सत्यदेव त्रिपाठी

विज्ञापन निर्माण और प्रक्रिया – डॉ.निशांत सिंह

दूरसंचार की नई दिशाएँ - सी.एल.गर्ग

SY.B.A. Hindi Allied to Major Syllabus

Semester IV

HNA- 2- जनसंचार माध्यम - इलेक्ट्रॉनिक मीडिया	Lect.	Marks	
Mediums of Mass Communication – Electronic Media.		ISA	SEA
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया	75	20	80

1.1 स्वरूप , भेद एवं महत्व ।

I) रेडियो

2.1 परिचय एवं महत्व ।

II) सिनेमा

3.1 हिंदी सिनेमा - स्वरूप , विकास-यात्रा एवं महत्त्व ।

2.2 पटकथा-लेखन – स्वरूप एवं प्रक्रिया ।

III) दूरदर्शन

4.1 परिचय, क्षेत्र एवं महत्त्व ।

IV) संगणक

5.1 परिचय, व्यावहारिक प्रयोग एवं महत्त्व ।
(टंकण, पावर-पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन, इंटरनेट)

V) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और समाज

6.1 सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव ।

कहानी पर आधारित पटकथा-लेखन, संगणक प्रयोग, वृत्तचित्र निर्माण (बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता में) ।

संदर्भ ग्रंथ-

आधुनिक पत्रकारिता – डॉ.अर्जुन तिवारी
पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि - डॉ.सुजाता वर्मा
प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रासंगिकता एवं परिदृश्य- डॉ.सु.नागलक्ष्मी
मीडिया लेखन- सिध्दांत एवं व्यावहार – डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र
लोकसंचार माध्यम –प्रस्तुति के रचनात्मक आयाम – डॉ.सत्यदेव त्रिपाठी
विज्ञापन निर्माण और प्रक्रिया – डॉ.निशांत सिंह
दूरसंचार की नई दिशाएँ - सी.एल.गर्ग
कंप्युटर और हिंदी – हरिमोहन
कंप्युटर प्रयोग और हिंदी - अमरसिंह वधान
पटकथा लेखन – एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी

T.Y.B.A. Hindi (Elective) Syllabus

Semester V

HNE- 5- हिंदी साहित्य : आदिकाल एवं भक्तिकाल Lect. Marks

Hindi Sahitya : Aadikaal Evam Bhaktikaal ISA SEA

75 20 80

1. आदिकाल : परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ।
   - क) राजनैतिक , सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश एवं उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव।
   - ख) रासो काव्य – परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ।
   - ग) जैन , सिध्द-नाथ साहित्य : काव्य परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ।

2. भक्तिकाल : उद् भव , विकास , परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ :
   - क) राजनैतिक , सामाजिक, धार्मिक , सांस्कृतिक परिवेश एवं उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव।
   - ख) निर्गुण काव्यधारा (संत एवं सूफी) सामान्य प्रवृत्तियाँ।
   - ग) सगुण काव्य धारा (राम एवं कृष्ण) सामान्य प्रवृत्तियाँ।

3. रचना एवं रचनाकार – सामान्य परिचय
   - क) पउम चरिउ – स्वयंभु ,दोहाकोश – सरहपा , गोरखबानी – गोरखनाथ , पृथ्वीराज रासो – चन्द बरदाइ
   - ख) कबीर , मलिक मुहम्मद जायसी , सूरदास, तुलसीदास, रैदास, मीराबाई।
   - ग) विशेष अध्ययन : कबीर के 30 दोहे एवं 15 पद (संदर्भ – पाठ्य पुस्तक से)

4. द्रुत पाठ –
   - क) मीराबाई के 10 पद। (संदर्भ पाठ्य पुस्तक से)

संदर्भ ग्रंथ –

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचंद्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा

हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

HNE- 6 आधुनिक हिंदी काव्य Lect. Marks

Adhunik Hindi Kavya ISA SEA

आधुनिक काल की पूर्वपीठिका : (19 वीं शती के आरंभ से) 75 20 80

क) राजनीतिक , सामाजिक , सांस्कृतिक और साहित्यिक परिवेश ।

ख) नवजागरण – (1757- 1857)

आर्य समाज, प्रार्थना समाज, ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसायटी , अहमदी आंदोलन , फोर्ट विलियम कॉलेज , 1857 का राष्ट्र संघर्ष ।

(भाषा, शिक्षा और साहित्य के आधुनिकीकरण का संदर्भ देना आवश्यक है ।)

1) i) आधुनिक हिंदी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ :-

भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग , छायावाद , प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

ii)नई कविता एवं समकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ

2) सामान्य परिचय

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, अयोध्यासिंह उपाध्याय ' हरिऔध' , मैथिलीशरण गुप्त , जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी ' निराला' , महादेवी वर्मा, नागार्जुन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, कीर्ति चौधरी, अरूण कमल, राजेश जोशी ।

3) विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित कवि की कविताएँ :

पाठ्य पुस्तक - केदारनाथ सिंह – प्रतिनिधि कविताएँ

सम्पादक- परमानन्द श्रीवास्तव ,

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कविताएँ –

1. यह पृथ्वी रहेगी , 2. मैंने गंगा को देखा, 3. बनारस , 4. बोझे , 5. रोटी , 6. हाथ, 7. मुक्ति, 8. जनहित का काम , 9.टूटा हुआ ट्रक, 10.बुनाई का गीत, 11.टमाटर बेचनेवाली बुढ़िया, 12.एक ठेठ देहाती कार्यकर्ता के प्रति, 13.सन् ४७ को याद करते हुए , 14. दो मिनट का मौन

15.उस आदमी को देखो, 16.ऊँचाई , 17. फ़र्क नहीं पड़ता , 18.एक पारिवारिक प्रश्न , 19.सुई और धागे के बीच में , 20.वसन्त

4. द्रुत पाठ - राजेश जोशी के 'दो पंक्तियों के बीच ' काव्य-संग्रह से किन्हीं पाँच कविताओं का अध्ययन ।

प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ –

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा

हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

HNE- 7- अनुवाद एवं पत्रलेखन	Lect.	Marks	
Anuvad Evam Patralekhan		ISA	SEA
अनुवाद	75	20	80

क) सैध्दांतिक पक्ष :

अनुवाद – अवधारणा, स्वरूप, प्रकार एवं प्रक्रिया।

ख) व्यावहारिक पक्ष :

i)शब्दानुवाद : 100 अंग्रेजी शब्दों का हिन्दी में अनुवाद

ii) दस वाक्यों के अंग्रेजी अनुच्छेदों का हिंदी अनुवाद।

प्रशासनिक अनुवाद , साहित्यिक अनुवाद (गद्य) , वाणिज्यिक अनुवाद का व्यावहारिक प्रयोग।

1. पत्राचार –

अ) आवेदन पत्र - नौकरी , वेतनवृध्दि , अवकाश एवं पदोन्नति।

आ) शिकायती पत्र - निजी, सार्वजनिक एवं अनुस्मारक।

इ) संपादक के नाम पत्र - रपट, अपील।

ई) कार्यालयीन - नियुक्ति-पत्र, परिपत्र , कार्यवृत्त, अधिसूचना।

उ) व्यावसायिक पत्र – पुस्तकादेश , एजेंसी प्राप्ति के लिए पत्र , माल के आदेश के लिए पत्र आदि।

संदर्भ -

प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र

प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रासंगिकता एवं परिदृश्य- डॉ.सु.नागलक्ष्मी

मीडिया लेखन- सिध्दांत एवं व्यावहार – डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी- अधुनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख

प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ.विनय गोदरे

प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ

सरकारी बैंकों एवं कार्यालयों में प्रयोजनशील हिंदी – डॉ.अनिल कुमार तिवारी

HNE- 8- साहित्यशास्त्र भाग -1 Lect. Marks

Sahityashastra Bhag-1 ISA SEA

75 20 80

1.साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप।

i) काव्य : अवधारणा एवं स्वरूप (भारतीय)।

ii) काव्य हेतु एवं प्रयोजन।

iii) काव्य के रूप – भेद, लक्षण तथा विशेषताएँ।

अ)प्रबन्ध काव्य - महाकाव्य एवं खण्डकाव्य।

आ) मुक्तक- पाठ्य तथा गेय (गीतिकाव्य)

iv) काव्य गुण – माधुर्य, प्रसाद एवं ओज का सामान्य परिचय।

2) रस एवं शब्द शक्तियाँ

रस – अवधारणा एवं स्वरूप।

i) भरतमुनि का रसनिष्पत्ति सिध्दांत

ii) अवयव एवं प्रकार।
(रस विषयक मान्यताओं की जानकारी अपेक्षित नहीं)

iii) शब्द शक्तियाँ – अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय।

3) आधुनिक गद्य के विविध रूप

i) कथा साहित्य :

अ) कहानी एवं उपन्यास : अवधारणा एवं तत्व।

आ) कहानी एवं उपन्यास में अंतर।

ii) नाटक – अवधारणा एवं स्वरूप (भारतीय मान्यताओं के आधार पर) एवं तत्व।

iv) निबंध – अवधारणा , तत्व एवं प्रकार।

द्रुत पाठ – अभिज्ञानशाकुंतलम् (संस्कृत नाटक) कालिदास।

संदर्भ –

भारतीय काव्य शास्त्र .डॉ :भगीरथ मिश्र

काव्य के रूप- बाबू गुलाबराय

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र –डॉ.देशराजसिंह भाटी

भारतीय काव्य शास्त्र सत्यदेव चौधरी :

भारतीय काव्य शास्त्र योगेंद्र प्रताप सिंह :

HNE- 9- हिंदी भाषा का इतिहास एवं भाषाशास्त्र Lect. Marks

Hindi Bhasha Ka Itihas Evam Bhashashastra ISA SEA

75 20 80

1- हिंदी भाषा का इतिहास

क- संस्कृत , लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत , अपभ्रंश आदि के संदर्भ में।

ख- आधुनिक भारतीय आर्य और द्रविड भाषाएँ
बंगला, मराठी , कोकणी, गुजराती, उड़िया, असमिया, पंजाबी, सिन्धी, तमिल, तेलगु , कन्नड, मलयालम।

2- हिन्दी भाषा की बोलियाँ - स्वरूप एवं भेद।
पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी।

3. खड़ी बोली हिंदीः स्वरूप , विकास एवं महत्व।
हिन्दुस्तानी , उर्दू , दक्खिनी, खड़ी बोली

4.हिन्दी शब्द समूह –

च – भारतीय आर्यभाषाओं के शब्द।

छ- भारतीय अनार्य भाषाओं के शब्द।

ज- विदेशी भाषाओं के शब्द।

5-भाषाशास्त्र –

भाषा की अवधारणा एवं विशेषताएँ।

भाषा परिवर्तन के आंतरिक एवं बाह्य कारण।

द्रुत पाठ - शब्दों का जीवन - भोलानाथ तिवारी।

संदर्भ-

भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी

भाषा विज्ञान की भूमिका – प्रो.देवेंद्रनाथ शर्मा

हिन्दी भाषा का इतिहास- डॉ.केशवदत्त रुवाली

हिन्दी भाषा- स्वरूप और विकास - कैलाशचंद्र भाटिया, मोतीलाल चतुर्वेदी

भारत की भाषाएँ- डॉ.राजमल बोरा

भाषा और लिपि - डॉ.नरेश कुमार

HNE- 10 समकालीन विमर्श एवं अनुदित साहित्य Lect. Marks

Samkaleen Vimarsh Evam Anudit Sahitya ISA SEA

समकालीन विमर्श – अवधारणा एवं स्वरूप 75 20 80

i) दलित विमर्श।

'सलाम' ओमप्रकाश वाल्मीकि (कहानी संग्रह) का विशेष अध्ययन।

ii) स्त्री विमर्श।

कठगुलाब – मृदुला गर्ग का विशेष अध्ययन।

2.अनुदित साहित्य : प्रासंगिकता एवं महत्व।

विशेष अध्ययन के लिए अनुदित कृतियाँ – i) 1084 वें की माँ - महाश्वेता देवी (बंगला उपन्यास)

ii) मंटो की श्रेष्ठ कहानियाँ - (उर्दू कहानियाँ)

संपादन – देवेन्द्र इस्सर

द्रुत पाठ -

i) कमला – विजय तेंडुलकर (मराठी नाटक)

संदर्भ- दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर

परम्परागत वर्ण व्यवस्था और दलित साहित्य – साक्षान्त मस्के

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि

औरतः कल, आज और कल – आशारानी व्होरा

आधी आबादी का संघर्ष – ममता जैतली, श्रीप्रकाश शर्मा

T.Y.B.A. Hindi (Elective) Syllabus

Semester VI

- HNE- 11- हिंदी साहित्य : रीतिकाल Lect. Marks

Hindi Sahitya : Ritikal ISA SEA

1. रीतिकाल : उद्भव, विकास, परिवेश एवं सामान्य प्रवृत्तियाँ 75 20 80

क) राजनैतिक , सामाजिक , धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिवेश का तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव ।

ख) रीतिबध्द , रीतिसिध्द एवं रीतिमुक्त काव्य : सामान्य विशेषताएँ

2. छंद – मात्रिक- चौपाई, रोला, हरिगीतिका

वर्णिक – इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा , कवित्त , सवैया , भुजंगप्रयात , द्रुत विलंबित ।

अलंकार – प्रतीप, अपह्नुति , अतिशयोक्ति, विरोधाभास, मानवीकरण , भ्रांतिमान ।

3. रचना एवं रचनाकार : सामान्य परिचय

बिहारी, मतिराम, देव, पद्माकर, घनानंद एवं भूषण

बिहारी के दस दोहे एवं अन्य रचनाकारों के पाँच छंद

4. द्रुत पाठ – रहीम के संकलित 20 दोहे

संदर्भ ग्रंथ -

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचंद्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा

हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

HNE- 12-आधुनिक हिंदी गद्य	Lect.	Marks	
Adhunik Hindi Gadya		ISA	SEA
आधुनिक हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास।	75	20	80

1. I) कथा साहित्य – कहानी एवं विकास।
   ii)निबंध साहित्य।
   iii)नाटक एवं रंगमंच।

2. निम्नलिखित प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाओं का सामान्य परिचय।
भारतेन्दु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल , प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद , सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय ' , हजारी प्रसाद द्विवेदी , मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव , मन्नू भंडारी , ऊषा प्रियंवदा, प्रभा खेतान, मृदुला गर्ग , सुरेन्द्र वर्मा , शंकर शेष।

3. विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित नाटक।
कबीरा खड़ा बाज़ार में - भीष्म साहनी
राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली।

4. द्रुत पाठ - ममता कालिया का ' दौड़ ' उपन्यास, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ - हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचंद्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ.बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य –उद्भव एवं विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य –युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ.शिवकुमार शर्मा
हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - वासुदेव सिंह

HNE- 13 निबंध एवं जनसंचार माध्यम लेखन	Lect.	Marks	
Nibandh Evam Janasanchar Madhyam Lekhan		ISA	SEA
	75	20	80

1. निबंध – राजनैतिक, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और प्रसिध्द उक्तियों पर आधारित।

2. प्रूफ शोधन – प्रूफ के भेद, प्रूफ रीडर के कर्तव्य, प्रूफ शोधन के चिह्न, प्रूफ-पठन का व्यावहारिक पक्ष।

3. साक्षात्कार लेखन - स्वरूप (तत्व) , प्रकार एवं प्रक्रिया।

4. पुस्तक समीक्षा - समीक्षा के प्रकार एवं प्रक्रिया। सैध्दांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष

5. समाचार लेखन – प्रक्रिया (मुद्रण माध्यम)।

6. वृत्तचित्र – स्वरूप , भेद एवं प्रक्रिया।

संदर्भ ग्रंथ -

प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र

प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रासंगिकता एवं परिदृश्य- डॉ.सु.नागलक्ष्मी

मीडिया लेखन- सिध्दांत एवं व्यावहार – डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी- अधुनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख
प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ.विनय गोदरे

प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ

पटकथा लेखन – एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी

HNE- 14 साहित्यशास्त्र भाग 2 Lect. Marks

Sahityashastra Bhag-2 ISA SEA

75 20 80

1. साहित्य – अवधारणा एवं स्वरूप। (पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर)

i)काव्य- अवधारणा एवं स्वरूप (पाश्चात्य मान्यताओं के अनुसार)

ii) काव्य के भेद – प्रबंध काव्य - महाकाव्य , मुक्तक।(पाश्चात्य मान्यताओं के अनुसार)

iii) बिंब, प्रतीक, मिथक : अवधारणा एवं स्वरूप।

2 नाटक : अवधारणा , स्वरूप एवं तत्व । (पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर)

3 व्यंग्य : अवधारणा एवं स्वरूप।

4 गद्य की प्रकीर्ण विधाएँ -

क) यात्रा साहित्य - स्वरूप एवं प्रकार।

ख) आत्मकथा – अवधारणा एवं स्वरूप।

ग) संस्मरण - अवधारणा एवं स्वरूप।

5. द्रुत पाठ - मेरी प्रिय व्यंग्य रचनाएँ - हरिशंकर परसाई।

संदर्भ ग्रंथ -

पाश्चात्य काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
काव्य के रूप- बाबू गुलाबराय
भारतीय एवं पाश्चाच्य काव्यशास्त्र –डॉ.देशराजसिंह भाटी
हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र

HNE- 15 हिंदी व्याकरण	Lect.	Marks	
Hindi Vyakran		ISA	SEA
1. हिन्दी वर्णमाला एवं लिपि	75	20	80

i) स्वर और व्यंजन : उच्चारण , स्वरूप एवं वर्गीकरण

ii) लिपि : स्वरूप एवं प्रकार

2. शब्द एवं पद : अवधारणा , स्वरूप एवं भेद

शब्दसाधन – वर्गीकरण, रूपांतर तथा व्युत्पत्ति

3. संज्ञा, लिंग, वचन, कारक, सर्वनाम : स्वरूप एवं भेद

4. वाक्य संरचना - स्वरूप एवं भेद

i)विशेषण – स्वरूप एवं प्रकार

ii क्रिया - स्वरूप एवं प्रकार

5. समास : स्वरूप एवं प्रकार

6. उपसर्ग , प्रत्यय, एवं विराम चिह्न : स्वरूप एवं प्रयोग

7. पाठ- साहित्यिक मुहावरा लोकोक्ति कोश - हरिवंशराय वर्मा

संदर्भ - ग्रंथ

हिन्दी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु

हिन्दी व्याकरण एवं रचना- प्रा.कृ.ज.वेदपाठक

हिन्दी व्याकरण- डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल

HNE- 16 रचनाकार का विशेष अध्ययन – मन्नू भंडारी Lect. Marks

Rachanakar Ka Vishesh Adhyayan – Mannu Bhandari ISA SEA

75 20 80

1. रचनाकार – मन्नू भंडारी

i) जीवन परिचय एवं परिवेश।

ii) कृतियों का सामान्य परिचय।

iii) साहित्यिक दृष्टि एवं युगीन प्रवृत्तियाँ।

1. विशिष्ट कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।

i) आपका बंटी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

ii) मेरी दस प्रतिनिधि कहानियाँ (किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली)

iii) बिना दीवारों के घर (राजकमल प्रकाशन)

2. द्रुत पाठ- महाभोज (उपन्यास)

संदर्भ – एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी